Notification No: COE/Ph.D./(Notification)/549/2023

Date of Award: 16-11-2013

Name of Scholar: Nazma Hashmi

Name of Supervisor: Dr. Mukesh Kumar Mirotha

Name of Co-Supervisor:

Name of Department: Hindi

Topic of Research: प्रगतिशील काव्यधारा के संदर्भ में त्रिलोचन की कविता में अभिव्यक्त लोक जीवन का अध्ययन / PRAGATISHEEL KAVYDHARA KE SANDARBH MEIN TRILOCHAN KI KAVITA MEIN ABHIVYAKT LOK JEEVAN KA ADHYYAN

Findings

त्रिलोचन शास्त्री हिन्दी के महत्वपूर्ण कवि हैं। उनके ऊपर उनके जनपद उनकी धरती का विशेष प्रभाव था। उनकी कविताओं में सामान्य जनता के दु:खों और संवेदनाओं को बड़ी आत्मीयता के साथ व्यक्त किया गया है। लोक संस्कृति के विभिन्न पक्षों को त्रिलोचन शास्त्री ने अपनी कविताओं में चित्रित किया है।

प्रथम अध्याय '*प्रगतिशील काव्यधारा का ऐतिहासिक संदर्भ* 'है। इस अध्याय के अंतर्गत प्रगतिशील काव्यधारा के अर्थ, स्वरूप को समझते हुए उसके आविर्भाव के सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया गया है।

दूसरा अध्याय '*प्रगतिशील काव्यधारा और लोकजीवन* 'है। इस अध्याय के अंतर्गत 'लोक' शब्द को स्पष्ट करते हुए विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गई लोक की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है।

तृतीय अध्याय *'त्रिलोचन का कवि व्यक्तित्व'* है। इसके अंतर्गत त्रिलोचन के व्यक्तित्व और उनके संपूर्ण काव्य संग्रह पर संक्षिप्त चर्चा की गई है। त्रिलोचन की कविताओं में अभिव्यक्त प्रेम सौंदर्य को स्पष्ट किया गया है।

चतुर्थ अध्याय *'त्रिलोचन की लोक धर्मी चेतना'* है। इस अध्याय के अंतर्गत त्रिलोचन शास्त्री की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक चेतना को स्पष्ट किया गया है। त्रिलोचन की प्रकृति विषयक कविताओं को देखने समझने का प्रयास किया गया है।

पंचम अध्याय *'त्रिलोचन का भाषा एवं शिल्पगत वैविध्य'* है। इस अध्याय के अंतर्गत त्रिलोचन की काव्य भाषा को स्पष्ट किया गया है। उनकी काव्य शैली को समझने का प्रयास किया गया है। साथ ही उनकी कविताओं में बिंब एवम प्रतीक को समझने का प्रयास किया गया है।